Lecturer & Coach (Sec. Edu. Deptt.) Comp. Exam - 2025
Exam Date - 09.06.2026

22.6.26

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 24
Number of Pages in Booklet : 24
पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150

LCS-26

इस प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए । Do not open this Question Booklet until you are asked to do so.

6281349

प्रश्न-पुस्तिका संख्या व बारकोड / Question Booklet No. & Barcode

Paper Code : 21

Paper – II
Sub : Rajasthani

समय : 03:00 घण्टे + 10 मिनट अतिरिक्त*
Time : 03:00 Hours + 10 Minutes Extra*

अधिकतम अंक : 300
Maximum Marks : 300

प्रश्न-पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर प्रश्न-पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :
- प्रश्न-पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान हैं ।
- प्रश्न-पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं । समस्त प्रश्न, जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/ मुद्रण त्रुटि नहीं है ।

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें । यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी । परीक्षा प्रारम्भ होने के 5 मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper, the candidate should ensure that :
- **Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.**
- **All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above are available and no page is missing/misprinted.**

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after five minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. **प्रत्येक प्रश्न केलिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है ।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।**
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र एक ही उत्तर दीजिए । एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।
4. **OMR** उत्तर-पत्रक इस प्रश्न-पुस्तिका के अन्दर रखा है । जब आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से **केवल नीले बॉल पॉइंट पेन** से विवरण भरें ।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें । गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा ।
6. **ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक में करेक्शन पेन/व्हाईटनर/सफेदा का उपयोग निषिद्ध है ।**
7. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा ।** गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है ।
8. **प्रत्येक प्रश्न के पाँच विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किया गया है । अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल पॉइंट पेन से गहरा करना है ।**
9. **यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं तो उत्तर-पत्रक में पाँचवें (5) विकल्प को गहरा करें । यदि पाँच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा ।**
10. * **प्रश्न-पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक जाँच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है । इसके लिये ही निर्धारित समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है ।**
11. **यदि अभ्यर्थी 10% से अधिक प्रश्नों में पाँच विकल्पों में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है तो उसको अयोग्य माना जायेगा ।**
12. **मोबाइल फोन अथवा अन्य किसी इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है । यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी ।**

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों** के तहत कार्यवाही की जाएगी । साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है ।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **It is mandatory to fill one option for each question.**
2. **All questions carry equal marks.**
3. Only **one** answer is to be given for each question. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. **The OMR** Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **Blue Ball Point Pen** only.
5. Please correctly fill your Roll Number in **OMR** Answer Sheet. Candidates will themselves be responsible for filling wrong Roll No.
6. **Use of Correction Pen/Whitener in the OMR Answer Sheet is strictly forbidden.**
7. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
8. **Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.**
9. **If you are not attempting a question then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.**
10. * **After solving question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time, is provided for this.**
11. **A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions shall be disqualified.**
12. **Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt with as per rules.**

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would be liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair means in Recruitment) Act, 2022 & any other laws applicable and Commission's Rules-Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर-पत्रक में दो प्रतियाँ हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति। परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर-पत्रक की दोनों प्रतियाँ वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें । वीक्षक उत्तर-पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाइन से मोड़ कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे । परीक्षार्थी को उत्तर-पत्रक की कार्बन प्रति चयन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा माँगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी ।

Lecturer (Sch. Edu. Deptt.) Comp. Exam - 2025
Exam Date - 07.06.2025

1. व्याकरणाचार्य सीताराम लाळस रै मुजब राजस्थानी वरणमाला मांय किता वरण हुवै ?

(1) उनपच्चास (2) पच्चास

(3) इक्यावन (4) बावन

(5) अनुत्तरित प्रश्न

2. राजस्थानी री कुणसी ध्वनि नैं बोलण सारू दोनूं होठां नैं भेळा करनै थोड़ी'क जेज सारू मामूली सो'क जोर देय'र भींचणां भी पड़ै ?

(1) ढ़ (2) व

(3) ब (4) ब़

(5) अनुत्तरित प्रश्न

3. व्याकरण रा जाणकार किणी स्वर ध्वनि रै बोलण में लागै जकी बख़त नैं आधार मान'र स्वरां रा किता भेद थरपिया है ?

(1) तीन (2) चार

(3) पांच (4) छः

(5) अनुत्तरित प्रश्न

4. 'कदाच डाकियो आवै' वाक्य मांय प्रयुक्त क्रिया रूप है –

(1) संदेहार्थक (2) संकेतार्थक

(3) आज्ञार्थक (4) संभावनार्थक

(5) अनुत्तरित प्रश्न

5. राजस्थानी व्याकरण मांय 'अंतस्थ–व्यंजन' है –

(1) क, ख, ग, घ (2) य, र, ल, व

(3) श, ष, स, ह (4) क, च, ट, त

(5) अनुत्तरित प्रश्न

6. भूतकाळ री क्रिया रो सही दाखलो है –

(1) चुगै चितारै भी चुगै, चुगि–चुगि चीतारेह

(2) माणक हवाँत मुख चवां, म्हे छां कूँझड़ियांह

(3) भोळा की डर भाजियो

(4) बूड़ैला बुध–बायरा जळ बिच छोड जहाज

(5) अनुत्तरित प्रश्न

7. राजस्थानी व्याकरण मांय वाक्य रै प्रयोग रै हिसाब सूं विद्वान सबदां रा किता भेद मान्या है ?

(1) दो (2) चार

(3) छ (4) आठ

(5) अनुत्तरित प्रश्न

8. जका सबद एक कै एक सूं बत्ता आश्रित वाक्यां नैं प्रधान वाक्य सूं जोड़ै, वै गिणीजै –

(1) समानाधिकरण समुच्चयबोधक

(2) व्यधिकरण समुच्चयबोधक

(3) संबंध बोधक

(4) विस्मयादि बोधक

(5) अनुत्तरित प्रश्न

9. नीचै लिख्योड़ा वरणां मांय सूं कुणसा अल्पप्राण–ध्वनि कहीजै ?

(1) क्, ग् (2) क्, घ

(3) त, थ (4) प, फ

(5) अनुत्तरित प्रश्न

10. नीचै लिख्यां एकवचन अर बहुवचन सबदां रै जोड़ां मांय सूं गळत जोड़ो छांटो –

(1) मैड़ी : मैड़ियां (2) साधू : साधवां

(3) जूं : जूवां (4) कूंडो – कूंडा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

11. नीचै लिख्यां पर्यायवाची सबदां मांय 'घोड़ा' रा पर्यायवाची-सबद है –

(1) अणीभमर, सुभड़, अछरवर

(2) पंखाळ, केकाण, तोखार

(3) सारंग, कळापी, घणनाद

(4) भूपांण, नरपाळ, धणीमाळ

(5) अनुत्तरित प्रश्न

12. 'समंद-मेखळा' रो पर्यायवाची सबद है –

(1) पाळ (2) धरती

(3) आभो (4) जोधार

(5) अनुत्तरित प्रश्न

13. नीचै लिख्यां सबदां मांय सूं कुणसो सबद 'बादळ' रो पर्यायवाची-सबद है ?

(1) बळाहक (2) सरासण

(3) अरणव (4) मारतंड

(5) अनुत्तरित प्रश्न

14. काव्य में वयण-सगाई अलंकार रै प्रभाव विषयक मान्यतावां सूं जुड़ी कुणसी बात असत्य है ?

(1) इणसूं छंद में एक खास भांत रो नाद – सौंदर्य पैदा हुवै ।

(2) इणसूं छंद कंठस्थ करण में सौराई हुज्यावै ।

(3) इणसूं काव्य रै भाव पख नैं सबळाई मिलै ।

(4) इणसूं छंद दग्धाखर अर अशुभगणां सूं मुगती पावै ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

15. "लेणा देणा लंक, भुजडंड राघव भांमणै ।
अपणायत अणसंक, सूर दता दसरथ तणा ।"

'रघुवर जस प्रकास' ग्रंथ मुजब ऊपर वाळै दूहे रै चौथै चरण में वयण-सगाई रो कुणसो रूप है ?

(1) उत्तम (2) मध्यम

(3) अधम (4) अधमाधम

(5) अनुत्तरित प्रश्न

16. 'वयण सगाई तीन विध, आद मध्य तुक अंत ।
मध्य मेल हरि मह महण, तारण दास अनंत ।।'

वयण सगाई अलंकार बाबत ओ दूहो कुणसा ग्रंथ मांय मिळै ?

(1) हम्मीरनाममाळा (2) रघुनाथरूपक

(3) गुणरूपक (4) रघुवरजस प्रकास

(5) अनुत्तरित प्रश्न

17. "पोताना पाछल पड्या, दीधे पर नूं दान ।
करम केवड़ा मान, दीठा तोरा दादवा ।।"

ऊपर वाळो दूहो है –

(1) तूंबेरी (2) सांकळियो

(3) सोरठियो (4) खोड़ियो

(5) अनुत्तरित प्रश्न

18. "रामण हणियो राम, गूह खाधो तारक खळ"
ओळी में कुणसो काव्यदोष है ?

(1) बहरो (2) अमंगळ

(3) पांगळो (4) नाळछेद

(5) अनुत्तरित प्रश्न

19. जठै कोई एक गीत रै न्यारै-न्यारै चरणां में न्यारी-न्यारी भांत रा छंदां रो प्रयोग हुवै, बठै कुणसो काव्यदोष मानीजै ?

(1) निनंग (2) छबकाळ
(3) नाळछेद (4) जात विरोध
(5) अनुत्तरित प्रश्न

20. नीचै दियोड़ा भेदां मांय सूं किसो भेद वयणसगाई अलंकार रै प्रमुख तीन भेदां मांय नीं है ?

(1) अधिक (2) सम
(3) न्यून (4) विषम
(5) अनुत्तरित प्रश्न

21. मेवा तजिया महमहण, दुरजोधन रा देख ।
केळा छोत विसेख, जाय विदुर घर जीमिया ।।
छंदशास्त्र री दीठ सूं ओ दूहो है –

(1) सोरठियो (2) बड़ो दूहो
(3) खोड़ो दूहो (4) तूंबेरी दूहो
(5) अनुत्तरित प्रश्न

22. 'बड़ो दूहो' छंद रो चरणवार मात्रा – विधान हुवै –

(1) 11, 13, 11, 13 (2) 13, 11, 13, 11
(3) 11, 13, 13, 11 (4) 13, 11, 11, 13
(5) अनुत्तरित प्रश्न

23. राजस्थानी छंद शास्त्र मांय 'सांकळियों दूहो' नाम सूं जाण्यौ जावै –

(1) खोड़ो दूहो (2) बड़ो दूहो
(3) तूंबेरी दूहो (4) सोरठियो दूहो
(5) अनुत्तरित प्रश्न

24. काव्य मांय जद कठैई पक्की जोड़ यानी अनुप्रास-सहित अर कठैई कच्ची जोड़ यानी अनुप्रास-रहित पद आयोड़ो हुवै, बठै कुणसो काव्यदोष मानीजै ?

(1) बहरो (2) पांगळो
(3) पखतूट (4) हीण
(5) अनुत्तरित प्रश्न

25. राम-कृष्ण, राम-लिछमण अर रामार्जुन सबदां में आयोड़ो 'राम' न्यारा-न्यारा अरथ रो बोध करावै । इणमें अरथ बोध री दीठ सूं कुणसो साधन (आधार) काम कर रैयो है ?

(1) आप्त वाक्य (2) लोक व्यवहार
(3) विवृत्ति (4) सन्निधि
(5) अनुत्तरित प्रश्न

26. "अठै परमेसर विराजै" वाक्य मांय 'परमेसर' सबद अनेक अरथवाची है पण राजधानी रूप देस रै कारण वो 'राजा' रै अरथ में बंधग्यो । इण अरथ निर्धारण में कुणसी सबद-सगती काम आवै ?

(1) आर्थी व्यंजना
(2) अभिधामूळा व्यंजना
(3) अभिधा
(4) शाब्दी लक्षणा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

27. रघुवीरसिंह सीतामऊ मुजब 'रणमल्ल छंद' में आयोड़ै 'मूंगळ मेच्छ' अर 'मूंगळ महामल्लिक' मांय जको 'मूंगळ' सबद है, उणरो इतिहासू दीठ सूं सही अरथ है –

(1) महा-मलेच्छ (2) मुगल
(3) मंगोल (4) मेव
(5) अनुत्तरित प्रश्न

28. वज्रसेन सूरि री रचना 'भरतेश्वर बाहुबलिघोर' रै रचनाकाल अर इणरी छंद संख्या री सही जोड़ी है –

	रचनाकाल		*छंद संख्या*
(1)	सं. 1125	:	48
(2)	सं. 1148	:	70
(3)	सं. 1241	:	48
(4)	सं. 1250	:	63
(5)	अनुत्तरित प्रश्न		

29. डॉ. एल.पी. तैस्सीतोरी मुजब प्राचीन डिंगलकाल री समयसीमा है –

(1) ई. सन 1250 सूं 1650 ताणी

(2) ई. सन 1000 सूं 1375 ताणी

(3) ई. सन 1050 सूं 1450 ताणी

(4) संवत 700 सूं 1343 ताणी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

30. 'बीसलदेव रास' री नायिका अर उणरै पिता रै नाम रौ सही जोड़ौ कुणसौ है ?

	नायिका		*पिता*
(1)	राजमति	:	राजा भोज परमार
(2)	राजबाला	:	राजा भोज चौहान
(3)	चंदनबाला	:	राजा मानकेसर
(4)	चित्रलेखा	:	राजा सनक ब्रह्म
(5)	अनुत्तरित प्रश्न		

31. 'हम्मीर कज्जु जज्जल भणइ, कोहाणल मुहमद जलउ । सुलताण सीस करबाल दइ, तज्जि कलेवर दिअ चलउ ।।' रणथम्भोर रै चौहाण राजा हमीर रै सेनापति जज्जल री वीर प्रतिज्ञा दरसावतो ओ छंद मोतीलाल मेनारिया मुजब किण कवि रो रचियोड़ो है ?

(1) असाइत
(2) दलपत
(3) डूमण चारण
(4) शारंगधर
(5) अनुत्तरित प्रश्न

32. कवि माधोदास दधवाड़िया बाबत सही कथन है –

A. दधवाड़ा गांव सूं जुड़्योड़ा होवण रै कारण वांरो गौत्र 'दधवाड़िया' बाजै ।

B. वांरी मां रो नाम 'चंद्रावल वरसड़ा' हो ।

C. वां सारू आसानंद जी बारहठ लिख्यो "चारण जीवो चार जुग, मरो न माधोदास"

D. वांरै रचियोड़ै 'राम रासो' री कथावस्तु सात सरगां/कांडां में संपूरण हुवै ।

E. मूळ रूप सूं 'राम रासो' रो प्रतिपाद्य राम-चरित्र रो बरणाव नीं होय काव्यशास्त्र रै गुण-लक्षणां रो विवेचन करणो हो ।

सही उत्तर चुणो –

(1) A, B, C, D
(2) B, C, D, E
(3) A, B, D
(4) A, D, E
(5) अनुत्तरित प्रश्न

33. नीचै लिखी रचनावां मांय सूं कुणसी रचना ईसरदास री नीं है ?

(1) गुण भगवंत हंस
(2) गुण बाळ लीला
(3) गुण निंदा स्तुति
(4) गुण गुरु आगम
(5) अनुत्तरित प्रश्न

34. "वेलि क्रिसन-रुकमणी री कृति पृथ्वीराज राठौड़ कृत है या नीं" इणरो निरणै करण सारू जका तत्कालीन विद्वानां रो निरणायक-मंडळ बणायो, उणमें सामल हा –

A. गाडण केसोदास

B. सांदू माला

C. झूला सांया

D. दधवाड़िया माधोदास

E. आढा दुरसा

सही उत्तर चुणो –

(1) A, B, D, E (2) A, B, C, D

(3) B, C, D, E (4) A, C, D, E

(5) अनुत्तरित प्रश्न

35. "जोतिखी, वयद, पउराणिक, जागी,
संगीती तारकिक सहि ।
चारण, भाट, सुकवि, भाखा चत्र,
करि अेकठा त अरथ कहि ।।"

इण छंद सूं किण ग्रंथ री ओळखांण हुवै ?

(1) हरि रस

(2) कुमारपाल रास

(3) मेहा रामायण

(4) क्रिसन रुकमणी री वेलि

(5) अनुत्तरित प्रश्न

36. सूची-I नैं सूची-II सूं सावळसर मिलाओ

सूची-I (मीरांबाई री भाषा बाबत मत)	*सूची-II (विद्वान, जिणरो ओ मत है)*
A. मारवाड़ी-राजस्थानी	I. मोतीलाल मेनारिया
B. पुराणी गुजराती या पुराणी आथूणी राजस्थानी	II. डॉ. तारापुरावाला
C. बोलचाल री राजस्थानी, जकी माथै ब्रज, गुजराती अर खड़ीबोली रो रंग लाग्योड़ो है	III. कल्याणसिंह शेखावत
D. राजस्थानी मानक भाषा है, जिणनैं कोई दूजी भाषा मानणो या दूजी भाषावां रो उण माथै प्रभाव स्वीकारणो उचित नीं है	IV. डॉ. एम. मजूमदार

सही उत्तर चुणो –

	A	B	C	D
(1)	II	IV	I	III
(2)	IV	II	I	III
(3)	III	I	II	IV
(4)	IV	I	II	III

(5) अनुत्तरित प्रश्न

37. संत जसनाथ रौ जनम कुणसै बरस हुयौ ?

(1) संवत् 1551 (2) संवत् 1557

(3) संवत् 1539 (4) संवत् 1563

(5) अनुत्तरित प्रश्न

38. "जको मिनख हिंदू होय'र तीरथां नैं धोकै, वो अज्ञानी आ भूल्यो-भटक्योड़ो है; जको जोगी होय'र गुरु-समाधि नैं धोकै अर मूंड मुंडावै, बो भी अज्ञानी है; जको मुसळमान होय'र काबा जावै, हज करै, बो मुसळमानी धरम नैं भूलग्यो ।"

ओ मत/कथन किण संत-महात्मा रो कैयोड़ो है ?

(1) जांभोजी (2) जसनाथ जी

(3) रामचरणदास जी (4) सहजोबाई

(5) अनुत्तरित प्रश्न

39. 'मुहणोत नैणसी' बाबत असत्य कथन है –

(1) वांनैं मारवाड़ अर राजपुताना रो 'अबुल-फजल' कहीजै ।

(2) वै जोधपुर महाराजा गजसिंह अर जसवंतसिंह दोनां री सेवा में रैया ।

(3) 'राजपुताना रै परगनां री विगत' वांरो चावो ऐतिहासिक ग्रंथ है ।

(4) जीवण रै अंतिम काल में वांनैं दीवाणगी सूं हाथ धोवण रै साथै जेळ में बंद रैवणो पड्यो ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

40. रामस्नेही संत रामचरण रा दीक्षा गुरु हा –

(1) कृपाराम (2) कृष्णदास

(3) अनन्तानंद (4) रामानंद

(5) अनुत्तरित प्रश्न

41. "इसड़ां सूं इकळास, राखीजे नहं राजिया" इण ओळी में आयोड़ै 'इकळास' सबद रो अरथ है –

(1) आँट (करड़ावण)

(2) लिहाज (लाल-मरजाद)

(3) अपणायत (मित्रता)

(4) सामी छाती राड़ (ललकार)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

42. 'अवतार चरित्र' मांय 'पृथु अवतार' कुणसो अवतार मानीज्यो है ?

(1) छठौ (2) नवमौ

(3) बारहमौ (4) चउदवौ

(5) अनुत्तरित प्रश्न

43. सूर्यमल्ल मीसण विरचित 'वीर सतसई' रै काव्यांश अर वां में प्रयुक्त अलंकार नैं सावळसर मिलाओ –

सूची-I	*सूची-II*
A. सीस करै बगसीस	I. उत्प्रेक्षा
B. कुंभकरण रा झाड़िया, जाणै बंदर जाय	II. यमक
C. चिमठी खाली व्है जितै, निमठी चाली फौज	III. अतिशयोक्ति
D. बिण माथै बाढे दळां	IV. विभावना

सही उत्तर चुणो –

	A	B	C	D
(1)	II	I	III	IV
(2)	III	I	II	IV
(3)	II	IV	I	III
(4)	IV	II	I	III

(5) अनुत्तरित प्रश्न

44. कवि दुरसा आढ़ा मुगलिया सल्तनत रै दौर में आखै हिंदुस्तान रा कुणसा दो राजावां नैं पवित्र बतावै ?

(1) महाराणा प्रताप अर महाराजा सूरजमल

(2) महाराणा प्रताप अर सुरजनसिंह हाडा

(3) महाराणा प्रताप अर राव कल्याणमल

(4) महाराणा प्रताप अर राव चंद्रसेन

(5) अनुत्तरित प्रश्न

45. संत सहजोबाई रा गुरु हा –

(1) संतदास (2) चरणदास

(3) रामचरणदास (4) लालदास

(5) अनुत्तरित प्रश्न

46. "पाका मन डोलै नहीं, निहचल रहै समाइ ।
काचा मन दह दिस फिरै, चंचल चहुँदिस जाइ ।।"
ऊपर वाळो छंद किण संत री वाणी रो अंश है ?

(1) हरिरामदास (2) रज्जब

(3) दादूदयाल (4) चरणदास

(5) अनुत्तरित प्रश्न

47. बावजी चतुरसिंह बाबत असत्य कथन है –

(1) वां आपरै सांमधरमी सेवक अलखप्रसाद नैं संबोधित करतां 'अलख पचीसी' काव्य लिख्यो ।

(2) वांरा गुरु गुमानसिंह हा, जका वारै काका लागता ।

(3) वां आपरै गुरु री प्रशस्ति में 'समान बत्तीसी' काव्य सिरज्यो ।

(4) वां 'गंगाजळी टीका' नाम सूं गीता रो अनुवाद कर्यो ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

48. माधौदास दधवाड़िया री कृति 'गजमोख' री रचना कुणसै छंद मांय करीजी है ?

(1) दूहा (2) झूलणा

(3) चौपाई (4) नीसांणी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

49. सूची-I नैं अर सूची-II नैं सावळसर मिलाओ –

सूची-I		*सूची-II*
A. जीवण सधियां आखर साधै, अरथ न आय उधारा । जूंझारां री जान गयां बिन, सजै न सीस उतारा ।।	I.	शंकरदान सामौर
B. देखैलो हिंदवाण, निज सूरज दिस नेह सूं । पण तारा परवाण, निरख निसासां नांखसी ।।	II.	नारायणसिंह भाटी
C. महलज लूटण मोकळा, चढ़िया सुण्या चंगेज । लूटण झूंपां लालची, आया बस इंगरेज ।।	III.	केसरीसिंह बारहठ
D. लेतां तिरिया लाज, पति बोदो आडो फिरै । ऐ नर बैठा आज, सिंह स्याळ बण सांवरा ।।	IV.	रामनाथ कविया

सही उत्तर चुणो –

	A	B	C	D
(1)	II	I	III	IV
(2)	III	I	IV	II
(3)	IV	III	I	II
(4)	II	III	I	IV

(5) अनुत्तरित प्रश्न

50. कन्हैयालाल सेठिया री रचनावां रो प्रथम प्रकाशन बरस री दीठ सूं पैली सूं छेहली रो सही क्रम है –

(1) मींझर, कूंकूं, लीलटांस, मायड़ रो हेलो
(2) मायड़ रो हेलो, मींझर, कूंकूं, लीलटांस
(3) कूंकूं, लीलटांस, मींझर, मायड़ रो हेलो
(4) लीलटांस, मायड़ रो हेलो, मींझर, कूंकूं
(5) अनुत्तरित प्रश्न

51. सूर्यमल्ल मीसण रौ जनम संवत् मानीजै

(1) संवत् 1872 (2) संवत् 1860
(3) संवत् 1875 (4) संवत् 1877
(5) अनुत्तरित प्रश्न

52. "नर रै हाथां नर बली इयां, नारायण कद तक होवैली ?
कद तांई धरती सिसक सिसक, धन इयां अमोलक खोवैली ?"
ऊपर आयोड़ी ओळियां किण कृति सूं उद्धृत है ?

(1) आंख्यां तरसण लागी
(2) काळ
(3) फरियाद
(4) मानखो
(5) अनुत्तरित प्रश्न

53. महाराजा चतुरसिंह नर्मदा नदी तट माथै कुणसै महात्मा रा दरसण कर्‌या ?

(1) ठाकुर गुमानसिंह (2) ठाकुर दलेलसिंह
(3) योगी देवभारती (4) योगी कमलभारती
(5) अनुत्तरित प्रश्न

54. शंकरदान सामौर रा पिता हा –

(1) करणीदान (2) हरनाथ
(3) सिंभूदान (4) सेरदान
(5) अनुत्तरित प्रश्न

55. रचना अर रचनाकार रो असंगत जोड़ो छांटो –

(1) करड़ी आंच : मनोहर शर्मा
(2) जोग संजोग : यादवेन्द्र शर्मा 'चंद्र'
(3) धरती कद तांई घूमैली : शिवराज छंगाणी
(4) बोळावण : सूर्यकरण पारीक
(5) अनुत्तरित प्रश्न

56. चन्द्रसिंह री नीचै लिखी रचनावां मांय सूं कुणसी रचना नै 'स्मृति काव्य' कह्यौ जा सकै ?

(1) बाळसाद (2) कहमुकरणी
(3) काळजै री कोर (4) चानणौ
(5) अनुत्तरित प्रश्न

57. "किणी चित्राम, भाव कै कथानक नैं अंतस री रग-रग घोळ राखण रो नांव ई मौलिकता है । नींतर नवो-जूनो कीं नीं हुवै ।"
मौलिकता पेटै ओ कथन किणरो है ?

(1) अर्जुनदेव चारण
(2) नृसिंह राजपुरोहित
(3) विजयदान देथा
(4) गिरधारी लाल शास्त्री
(5) अनुत्तरित प्रश्न

58. सत्यप्रकाश जोशी री कुणसी रचना नै साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली कार्नीं सूं पुरस्कार मिळ्यौ ?

(1) राधा (2) गांगेय
(3) दीवा कांपै क्यूं (4) बोल भारमली
(5) अनुत्तरित प्रश्न

59. "करणीदान बारहठ रा सगळा पात्र आप आपरै घेरै में कैद, आपरी सीमा नैं जाणता उभा है । वै घेरो तोड़ण री कोसिस ई नीं करै । इण लिहाज आंनैं असक्रिय पात्र कैय सकां । निष्क्रिय तो इण सारू नीं कैय सकां कै अै काम तो करै ई है पण उण काम सारू जिण आवेग री जरूरत है, वो उठै नीं है ।"
करणीदान बारहठ री कहाणियां सारू आ टीप करण वाळै समालोचक रो नाम है –

(1) सांवर दइया (2) दीनदयाल ओझा
(3) नीरज दहया (4) अर्जुनदेव चारण
(5) अनुत्तरित प्रश्न

60. नीचै लिखी कवितावां मांय सूं कुणसी कविता कन्हैयालाल सेठिया री नीं है ?

(1) कुण जमीन रौ धणी (2) म्हारौ देस
(3) सिंझ्या बहू (4) कठपूतळ्यां
(5) अनुत्तरित प्रश्न

61. लक्ष्मीकुमारी चूंडावत री पोथी 'राजस्थानी लोकगाथा' में आयोड़ी बातां रै सिरैनामां री दीठ सूं असंगत नाम है –

(1) पत री पारख
(2) खापरियै चोर री छाकटाई
(3) प्रीत री रीत
(4) करी पण कर नीं जाणी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

62. "सिर झुकिया सहंसाह, सिंघासण जिण सामनै ।
रळणो पंगत राह, फाबै किम तो नैं फता ।।"
ऊपर लिखी ओळियां किणरी है ?

(1) गिरधारी सिंह पड़िहार
(2) चंद्रप्रकाश देवल
(3) तेजसिंह जोधा
(4) केसरीसिंह बारहठ
(5) अनुत्तरित प्रश्न

63. नारायण सिंह भाटी री पोथियां रौ प्रकाशन री दीठ सूं सही क्रम है – (पैली सूं छेहली तांई)

(1) जीवणधन, दुर्गादास, मीरां, मिनख नै समझावणौ दोरौ है ।
(2) दुर्गादास, जीवणधन, मीरां, मिनख नै समझावणौ दोरौ है ।
(3) मीरां, मिनख नै समझावणौ दोरौ है, जीवणधन, दुर्गादास
(4) दुर्गादास, मीरां, जीवणधन, मिनख नै समझावणौ दोरौ है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

64. अगरचंद नाहटा रै शोध मुजब 'संधि' पद्यरूप सारू असत्य कथन है –

(1) अपभ्रंश-काव्यां में सरगां री संज्ञा 'संधि' कहीजै ।
(2) तेरहवीं-चवदवीं सदी में एक सर्ग वाळा खंडकाव्यां सारू पण 'संधि' संज्ञा काम में लिरीजती ।
(3) 'संधि' री परम्परा उन्नीसवीं सदी ताणी लगोलग चालती रैयी ।
(4) आचार्य हेमचंद्र रै बगत में संस्कृत रा महाकाव्य भी संधियां में ही निबद्ध हुया करता ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

65. 'कनकसुंदर' उपन्यास में 'सुंदर' रा पिताजी कुण है ?

(1) जीतमल जी (2) पूरणमल जी

(3) हरकिसन जी (4) रामनारायण जी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

66. "इणां (दोनां) नैं गद्य हुतां थकां भी इण वास्तै छंद कैया जावै कै इणां मांय छंद रै जियां इज अनुप्रास अर तुक रो निभाव कर्‌यो जावै ।"

राजस्थानी रा वै दो रूप कुण–कुणसा है ?

(1) वचनिका अर परवाना

(2) दवावैत अर पाटनामा

(3) दवावैत अर वचनिका

(4) वारता अर विगत

(5) अनुत्तरित प्रश्न

67. अन्नाराम सुदामा री कहाणी 'सूरज री मौत' में कुणसै सेठ रौ वरणाव है ?

(1) सेठ रामदयाल (2) सेठ शिवदयाल

(3) सेठ हजारीमल (4) सेठ राजाराम

(5) अनुत्तरित प्रश्न

68. जैन धरम में गुरु अर शिष्य परम्परा रो विस्तृत परिचय जिण विधा में करीजै, वा है –

(1) गुर्वावली (2) वंशावली

(3) विगत (4) परवाना

(5) अनुत्तरित प्रश्न

69. नीचै लिख्योड़ा कहाणीकारां अर वांरी कहाणीं रौ कुणसौ जोड़ौ सही है ?

कहाणीकार	*कहाणी*
I. मुरलीधर व्यास	A. मास्टरजी
II. मनोहर शर्मा	B. बरसगांठ
III. करणीदान बारहठ	C. करड़ी आंच
IV. बैजनाथ पंवार	D. असूलां खातर

सही उत्तर चुणो –

(1) I-D, II-B, III-A, IV-C

(2) I-A, II-D, III-C, IV-B

(3) I-B, II-C, III-A, IV-D

(4) I-C, II-A, III-B, IV-D

(5) अनुत्तरित प्रश्न

70. मौलिक निबंध-संग्रै अर वांरै निबंधकारां रो असंगत जोड़ो छांटो –

(1) संस्कृति री सोरम : डॉ. शक्तिदान कविया

(2) दौर अर दायरौ : नंद भारद्वाज

(3) गढ़ री साख : अर्जुनसिंह शेखावत

(4) बुगचो : मूळदान देपावत

(5) अनुत्तरित प्रश्न

71. जहूर खां मेहर रै निबंध संग्रह 'अर्जुन आळी आंख' मांय आयोड़ा निबंधां रौ कुणसौ क्रम सही है ?

(1) अर्जुन आळी आंख, अलख, ओळख, पुन्न

(2) अलख, अर्जुन आळी आंख, हेताळ, बदळाव

(3) अर्जुन आळी आंख, नांव भीतड़ां सूं रैवै, ओळख, बदळाव

(4) बदळाव, अलख, ओळख, अर्जुन आळी आंख

(5) अनुत्तरित प्रश्न

72. 'लोडो तिरै, सिल डूबै' कैबत कद कहीजै –

(1) जद किणी तळाव में टाबरिया तो तिर'र निकळ जावै अर बडोड़ा डूबण लागे ।

(2) जद किणी नदी में लोह तो तिरै अर बरफ री सिलाड़ी डूब जावै ।

(3) जद न्याय-अन्याय माथे कोई विचार नीं करीजै ।

(4) जद पुरुष-प्रधान समाज शीलवान नारियां माथै कूड़ा लांछण लगावै ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

73. नेमनारायण जोशी री पोथी 'ओळूं री अखियातां' रै संस्मरणा रौ पैलै सूं छेहलै तांई रौ सही क्रम है –

(1) गोगाजी रा घोड़ा, कूदण बाबो, जोधराजनाई, माजीसा

(2) कूदण बाबो, गोगाजी रा घोड़ा, सूरजोनायक, बस्तीराम व्यास

(3) सूरजोनायक, कूदण बाबो, जोधराजनाई, माजीसा

(4) कूदण बाबो, जोधराजनाई, बस्तीराम व्यास, माजीसा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

74. राजस्थानी लोककथावां में "रेसम रो गच्चो, राजहंस रो बच्चो, हीरां रो लच्छो" आद विशेषण किण सारू काम में लिरीजै ?

(1) धनवान मिनख सारू

(2) रूपाळी कामणी सारू

(3) फूठरै बाळक सारू

(4) जूवै में होरेड़ै मिनख सारू

(5) अनुत्तरित प्रश्न

75. 'फागु' काव्य नैं दूजौ नाम कांई दिरीज्यौ है –

(1) धमाल (2) धवळ

(3) विवाहलो (4) चैत्यपरिपाटी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

76. चैतसूं फागण महीनां मांय आवण वाळा तिंवारां रै सुमेळरौ सही क्रम है –

महीनां		*तिंवार*
I. भादवौ	A.	तुळसी एकादशी
II. फागण	B.	आखातीज
III. वैशाख	C.	शिवरात्रि
IV. काती	D.	जलम आठम

सही उत्तर चुणो –

(1) I-B, II-A, III-C, IV-D

(2) I-D, II-C, III-B, IV-A

(3) I-A, II-B, III-C, IV-D

(4) I-C, II-D, III-A, IV-B

(5) अनुत्तरित प्रश्न

77. "सोगन मैं खाई रे सरवर पाळ, आडो तो लीनो सूरज देव नैं ।

जामण का जाया ! भावज रो चाढ्‌यो रे कळंक उतारस्यूं ।"

ऊपर री ओळियां किण लोकदेवी सूं संबंध राखै ?

(1) इडाणा माता (2) जीण माता

(3) आई माता (4) आवरी माता

(5) अनुत्तरित प्रश्न

78. 'ख्याल' बाबत असत्य कथन है –

(1) ओ मूळ रूप सूं गीति–नाट्य री पांत में आवै ।

(2) इण मांय पात्र प्रायः पद्यबद्ध संवाद बोलै, गद्य रो प्रयोग इणमें ब्होत कम हुया करै ।

(3) इणमें मंगळाचरण पछै ख्याल नैं खराब करण री नीयत वाळां री निंदा करीजै ।

(4) इणमें सगळो संगीत बिना किणी साज–बाज रै प्रस्तुत करीजै ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

79. महेन्द्र भानावत मुजब राजस्थानी लोकनाट्यां रा तीन वर्ग है –

(1) ख्याल, लीलावां अर स्वांग

(2) ख्याल, घूमर अर स्वांग

(3) ग्रामीण, नगरीय अर मिश्रित

(4) पुरुष–प्रधान, नारी–प्रधान अर बाळ–प्रधान

(5) अनुत्तरित प्रश्न

80. 'राजस्थानी लोकगाथावां' नाम सूं साहित्य अकादेमी नयी दिल्ली री छप्योड़ी पोथी रा संपादक है –

(1) सोहनदान चारण (2) विजयदान देथा

(3) रामनिवास शर्मा (4) मनोहर शर्मा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

81. पंडितराज जगन्नाथ काव्य रो लक्षण किणनै मान्यो ? जिको रमणीय अर्थ रो प्रतिपादक हुवै –

(1) शब्द (2) अर्थ

(3) काम (4) मोक्ष

(5) अनुत्तरित प्रश्न

82. निराकार वस्तुवां अर भावां नैं आकार देवणौ, तथ्य नैं चित्रमय बणावणो, चरित्र अर पात्र रै व्यक्तित्त्व रौ साक्षात करणो, घटना री पृष्ठभूमि प्रस्तुत करणी अर भाव नै जगावण वाळा चित्र अंकित करणो किण सूं संभव हुवै ?

(1) सबद तत्त्व (2) अरथ तत्त्व

(3) भाव तत्त्व (4) कल्पना तत्त्व

(5) अनुत्तरित प्रश्न

83. वक्रोक्ति खातर आचार्य रुद्रट, आनंदवर्द्धन, भोज, कुंतक रै मतां रो छेहली सूं पैली सही क्रम है –

A. वक्रोक्ति तो काव्य री प्राण चेतना कैयी जा सकै ।

B. वक्रवचन नैं वक्रोक्ति मानी ।

C. वक्रोक्ति तो शब्दालंकार रो ईज एक भेद हुया करै ।

D. वक्रोक्ति नैं वाच्यालंकार रो नांव दियो ।

सही उत्तर चुणो –

(1) A, B, D, C (2) B, A, C, D

(3) C, D, A, B (4) D, C, B, A

(5) अनुत्तरित प्रश्न

84. सम्पूर्ण वांग्मय रा दो भेद 'स्वभावोक्ति' अर 'वक्रोक्ति' मानण वाळा विद्वान अर वांरै ग्रंथ रौ कुणसौ जोड़ौ सही है ?

(1) भामह : काव्यालंकार

(2) विश्वनाथ : साहित्यदर्पण

(3) दण्डी : काव्यादर्श

(4) आनंदवर्द्धन : ध्वन्यालोक

(5) अनुत्तरित प्रश्न

85. 'कवित्व बीजं प्रतिभानम्' प्रतिभा ही कवित्व रौ कारण है, अै ओळियां किणरी है ?

(1) आचार्य भरत (2) आचार्य वामन

(3) आचार्य मम्मट (4) आचार्य ब्रेडले

(5) अनुत्तरित प्रश्न

86. सूची-I आचार्य रो, सूची-II काव्य प्रयोजन रो सही मेळ थापित करो –

सूची-I	*सूची-II*
A. भरत मुनि	I. चतुर्वर्गफल स्वादमप्यतिक्रम्य तद्विदम् काव्य मृतरसेनान्तश्चमत्कारो वितन्यते ।
B. भामह	II. काव्यं यशसेऽर्थकृते व्यवहारविदे शिवेतरक्षतये । सद्यः परिनिर्वृतये कान्तासम्मित तयोपदेशयुजे ।
C. मम्मट	III. धर्मार्थ – काममोक्षेषु वैचक्षण्यं कलासु च । करोति प्रीतिं कीर्तिं च साधुकाव्य निबन्धनम् ।।
D. कुंतक	IV. धर्म्यं यशस्यमायुष्यं हितं बुदिविवर्द्धनम् ।। लोकोपदेशजननं नाट्यमेतद् भविष्यति ।।

सही उत्तर चुणो –

	A	B	C	D
(1)	I	II	III	IV
(2)	II	I	IV	III
(3)	III	IV	I	II
(4)	IV	III	II	I

(5) अनुत्तरित प्रश्न

87. "रसोवेसः हेयवायंलब्ध्वास आनन्दोभवति ।" इण कथन मुजब रस नै ब्रह्मआनंद सरूप में कुणसै उपनिषद् में मानीज्यौ है ?

(1) मांडूक्य उपनिषद् (2) तैत्तिरीय उपनिषद्

(3) ऐतरेय उपनिषद् (4) छांदोग्य उपनिषद्

(5) अनुत्तरित प्रश्न

88. पंडितराज जगन्नाथ काव्य रो मूल हेतु मान्यो –

(1) शास्त्र (2) अभ्यास

(3) भाव (4) प्रतिभा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

89. भरतमुनि रै मुजब सात्विक भाव सूची-I सूं सूची-II रौ सावळसर मेळ थापित करो –

सूची-I	*सूची-II*
A. स्वेद	I. रूंगता ऊभा हुवणा
B. रोमांच	II. चेहरै रो रंग उड जावणो
C. वेपथु	III. पसीनो आवणो
D. वैवर्ण्य	IV. कंपकंपी छूटणी

सही उत्तर चुणो –

	A	B	C	D
(1)	I	II	III	IV
(2)	II	IV	I	III
(3)	III	I	IV	II
(4)	IV	III	II	I

(5) अनुत्तरित प्रश्न

90. कुमारिल भट्ट अर पार्थसारथी मुजब सबद रो चोथो अरथ है –

(1) वाच्यार्थ (2) तात्पर्यार्थ

(3) लक्ष्यार्थ (4) व्यंग्यार्थ

(5) अनुत्तरित प्रश्न

91. "वाच्य अर्थ री तुलना में व्यंग्य अर्थ घणौ ईज चमत्कारी अर उत्तम हुया करै ।" इण विचार नै मानण वाळा विद्वान अर वांरै ग्रंथ रौ सही जोड़ौ है –

(1) महिमभट्ट : व्यक्ति विवेक
(2) अभिनव गुप्त : ध्वन्यालोक लोचन
(3) आचार्य मम्मट : काव्य प्रकाश
(4) जगन्नाथ : रसगंगाधर
(5) अनुत्तरित प्रश्न

92. रस रा निष्पादक तत्त्व नीं है –

(1) विभाव (2) अनुभाव
(3) व्यभिचारी भाव (4) सद्‌भाव
(5) अनुत्तरित प्रश्न

93. 'शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्' अै ओळ्यां किण आचार्य री है ?

(1) आचार्य दण्डी (2) आचार्य रुद्रट
(3) आचार्य भामह (4) आचार्य मम्मट
(5) अनुत्तरित प्रश्न

94. संस्कृत काव्यशास्त्र री सुदीर्घ परंपरा में जिण चार काव्य हेतुवां रो उल्लेख है, उण मांय नीचै मांय सूं कुणसो नीं है ?

(1) प्रतिभा (2) व्युत्पत्ति
(3) अभ्यास (4) परिधि
(5) अनुत्तरित प्रश्न

95. अद्‌भुत रस, शांत रस, वीभत्स रस, शृंगार रस रै भावां रो पैली सूं छेहली तांई रो सही क्रम है

A. निर्वेद B. विस्मय
C. जुगुप्सा D. रति

सही उत्तर चुणो –

(1) C, A, B, D (2) B, A, C, D
(3) C, D, B, A (4) D, C, A, B
(5) अनुत्तरित प्रश्न

96. "मारू तणइ करकंडइ, वाइस ऊडावेसि"
इण दूहै मुजब मारवणी ढोला नैं किण कारण आ बात कैवै ?

(1) क्यूंकै ढोलो ना तो मिलै ना भूलै, ना आवै अर ना ले जावै ।
(2) क्यूंकै ढोलो रोजीना सपनां में आय सतावै ।
(3) क्यूंकै ढोलो मारवणी सूं ज्यादा माळवणी नैं चावै ।
(4) क्यूंकै ढोलो उणनैं भूलाय'र नचींतो सूतो है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

97. "राति ज रूंनी निसह भरि, सुणी महाजनि लोइ ।
हाथाळी छाळा पड्या, चीर निचोइ निचोइ ।।"
इण दूहै मांय कुणसी शैली सामीं आवै ?

(1) व्यंग्य (2) उपालंभ
(3) अन्योक्ति (4) ऊहात्मक
(5) अनुत्तरित प्रश्न

98. "वायस वीजउ नांम, ते आगलि लल्लउ ठवइ ।
जइ तू हुई सुजांङ, तउ तू वहिलउ मोकळे ।।"
इण दूहै मांय मारवणी ढोले सूं किणनै भेजण री अरज कर रैयी है ?

(1) कागलै नै (2) कागज नै
(3) संदेशवाहक नै (4) बळदा गाडी नै
(5) अनुत्तरित प्रश्न

99. "सिंधु परइ सत जोअणे, खिवियां वीजळियांह ।
सुरहउ लोद्र महक्कियां, भीनी ठोवड़ियांह ।।"
ऊपर वाळै दूहे में आयोड़ा 'सुरहउ' अर 'लोद्र' सबदां रौ अभिप्राय है –

(1) सूरवीर ढोलो अर लजवंती मरवण
(2) सुरग अर धरती
(3) इन्द्र अर सुरग
(4) सुरभि अर पूगळ
(5) अनुत्तरित प्रश्न

100. 'कागळ नहीं, क मसि नहीं, लिखतां आळस थाइ।
कह उण देस संदेसड़ा, मोलइ वड़इ विकाइ ।।'
इण दूहै री शैली है –
(1) दंपत्ति-विनोद शैली (2) अन्योक्ति शैली
(3) व्यंग्य शैली (4) ऊहात्मक शैली
(5) अनुत्तरित प्रश्न

101. "आपणां करम ही का खोट, दोष कांई दीजे री आली।
मैं तासू बूझूं कोई न बतावै, सब ही बटाऊ लोग ।।
सुणजो री मोरी संग की सहेली, बाट चलत लगी चोट।
अपणां दरद कूँ सब कोई जाणै, पर दुख कूँ नहीं कोइ ।।
मीरां के प्रभु हरि अविनाशी, बची चरण की आटे ।।"
मीरां रै इण मांय कुणसौ भाव सार्मी आवै ?
(1) उत्कंठा (2) भगवत् लीला
(3) मनस्ताप (4) आत्मकथा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

102. "एक समै मोहन घर आये, मैं दधि मथत रही।
या दुनिया को झूठो धंधो, मैं हरि कूं बिसर गई ।।"
मीरां री ऐ ओळ्यां किण प्रसंग सूं संबंधित है ?
(1) वृंदावन – महिमा (2) उद्धव – संवाद
(3) गुरु रहस्य (4) अपरोक्ष – प्रेमानंद
(5) अनुत्तरित प्रश्न

103. "अंखियां कृष्ण मिलन की प्यासी।
आप तो जाय द्वारका छाये, लोककरत मेरी हाँसी ।।
आम की डार कोयलिया बोलै, बोलत सबद उदासी ।।
मेरो तो मन (अब) ऐसी आवै, करवत लैहों कासी ।।
मीरां के प्रभु गिरधर नागर, चरण कमल की दासी ।।"
मीरां रै इण पद मांय कुणसौ भाव सार्मी आवै ?
(1) लीला वर्णन (2) आकांक्षा
(3) उत्कंठा (4) विनय
(5) अनुत्तरित प्रश्न

104. "जल से प्रीत करी मछली ने बिघुरत प्राण तजे।
मृगाँ की प्रीति लगी नादाँ से, सनमुख संल सहे ।।"
मीरां रै इण पद रा भाव है –
(1) प्रेम निश्चय रा (2) प्रेम दृढ़ता रा
(3) प्रेम में त्याग रा (4) प्रेम लीला रा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

105. 'बादळी' खातर सही कथन है –
A. इणमें आलम्बन रूप सूं प्रकृति चित्रण है।
B. इण काव्य में सियाळै रो आछो वरणाव है।
C. इणमें प्रकृतिपरक कार्य व्यापारां रो अर भावनावां रो सुन्दर आरोपण है।
D. ओ एक चित्रात्मक प्रकृति काव्य है।
E. ओ एक खण्डकाव्य है।
सही उत्तर चुणो –
(1) फगत A, B अर C
(2) फगत A, C अर D
(3) फगत B, C अर D
(4) फगत C, D अर E
(5) अनुत्तरित प्रश्न

106. 'बादळी खातर सही ओळियां है –
A. कवि इणनै 'बाळसाद' नाम सूं रची बाद में इणरो नाम 'बादळी' राख्यो।
B. ओ एक प्रयोगवादी काव्य है।
C. इणरो अंग्रेजी भाषा में अनुवाद हुयो।
D. इण काव्य नै नागरी प्रचारिणी सभा, काशी सूं आदरी जै।
E. इण पोथी पर 'रत्नाकर' पुरस्कार मिळ्यो।
सही उत्तर चुणो –
(1) फगत – A, B अर C
(2) फगत – B, C अर D
(3) फगत – A, C अर E
(4) फगत – C, D अर E
(5) अनुत्तरित प्रश्न

107. बादळी किणरै साथै गळबांह घाल'र भागती फिरै ?

(1) आभै रै साथै

(2) सूरज रै साथै

(3) पवन रै साथै

(4) झाड़-झंखाड़ रै साथै

(5) अनुत्तरित प्रश्न

108. रामेश्वर दयाल श्रीमाळी मुजब कवि चंद्रसिंह बिरकाळी रै काव्य री विशेषता नीं है –

(1) वां पारम्परिक दूहा छंद नैं वयण सगाई री जड़त-घड़त साथै आपरी अभिव्यक्ति रो आधार बणायो ।

(2) परकत रै बरणाव में वांरी संवेदना नितांत आपखोरी नीं होय'र सामाजिकता सूं भरी-पूरी है ।

(3) आं री संवेदना सहज प्रवाही है, जिणमें विचारां री बोझिलता री घुसपैठ नीं है ।

(4) आं रो कविता में कुदरत री सोझ रो निरवाळो ताजो स्वाद है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

109. "ऊगत नाख्या माछला, छिपतां नाखी मोग ।
सूरज तकड़ो तापियो, कर विरखा-संजोग ।।"

इण दूहे मांय 'माछला' अर 'मोग' है –

(1) नखतरां रा जोड़ा

(2) पंछीड़ां री उडार

(3) रुंखड़ां अर झाड़ियां रो झुंड

(4) आकास री लालिमा री लाबी धारावां

(5) अनुत्तरित प्रश्न

110. 'मारजा' रचना में आया 'मारजा' रो नाम है –

A. लाला मारजा B. खोड़ियो मारजा

C. पूनियो मारजा D. फकीरो मारजा

सही उत्तर चुणो –

(1) फगत A, B अर C

(2) फगत A, C अर D

(3) फगत A, B अर D

(4) फगत B, C अर D

(5) अनुत्तरित प्रश्न

111. 'काच रो चिलको' कहाणी में गवरली आपरै घरवाळां री अर खुद री तुलना जिणसूं करी उणरै सुमेल री सही क्रम है –

A. सासू I. ऊंदरौ

B. धणी II. गिंडक

C. देवर III. कागलो

D. गवरली खुद IV. गिरज

सही उत्तर चुणो –

	A	B	C	D
(1)	III	II	I	IV
(2)	IV	III	II	I
(3)	I	IV	III	II
(4)	II	I	IV	III

(5) अनुत्तरित प्रश्न

112. 'कूदण बाबो' संस्मरण मांय कूदण बाबै रो असली नाम है –

(1) सहीराम (2) जयराम

(3) म्हेराम (4) खींयाराम

(5) अनुत्तरित प्रश्न

113. रचना सूची-I रो पात्र सूची-II सूं सावळसर मेळ करो –

सूची-I		*सूची-II*	
A.	अलेखूं हिटलर	I.	भत्तीयो
B.	काच रो चिलको	II.	जीवण चौधरी
C.	कूदण बाबो	III.	छगन
D.	मारजा	IV.	ओमजी

सही उत्तर चुणो –

	A	B	C	D
(1)	I	II	III	IV
(2)	II	III	IV	I
(3)	III	IV	I	II
(4)	IV	III	II	I

(5) अनुत्तरित प्रश्न

114. अेक विद्यार्थी (पढ़ेसरी) कक्षा मांय मारसाब या बेनजी सूं पैला पढायोड़े मांय सू सवाल पूछै । ओ उण सवाल रै जबाब नै खुलासै में अभिप्रेरित करै है । सम्प्रेषण – प्रक्रिया तत्वां रै अनुसार मारसाब नै फेल आगे सम्प्रेषण री अभिप्रेरणा कहलावै –

(1) प्रेषक (भेजणआळौ)

(2) प्रसंग रै अनुसार (निर्देश्य)

(3) लेवणियौ (अभिग्राही)

(4) माध्यम (चैनल)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

115. अेक मारसाब स्कूली – शिक्षा नै इण तरीकै सूं संगठित करन री योजना बणावैं जिणसू टाबरा रै व्यक्तित्व अर संवेगों रो ध्यान राख्यौ जा सकें । इण प्रयोजन खातर कुणसो शिक्षण रौ प्रतिमान सिरै गिणीजैला ?

(1) अग्रिम संगठक प्रतिमान

(2) (पृच्छा) अन्वेषण प्रतिमान

(3) गैर-निर्देशात्मक प्रतिमान

(4) समूह अन्वेषण प्रतिमान

(5) अनुत्तरित प्रश्न

116. नीचै लिख्यौड़ा मांय सूं कुणसो पृच्छा प्रशिक्षण प्रतिमान रो अनुदेशात्मक सांतरौ प्रभाव राखै ?

(1) सृजनात्मकता री भावना

(2) वैज्ञानिक प्रक्रिया

(3) अधिगम की आजादी

(4) अस्पष्टता खातर सहिष्णुता

(5) अनुत्तरित प्रश्न

117. नीचै-लिख्यौड़ा मांय सूं कुणसो चार्ट बणावण अर उपयोग खातर ठीकसर (उपयुक्त) आधारभूत दिसा- निरदेस नीं है ?

(1) हरेक परदरसित विवरण (लेखो) दिखणौ चाईजै ।

(2) डिस्पले – सामग्री विसमता खातर (कॉनट्रास्टिड) हुवणी चाईजै ।

(3) आ साफ – सुथरी हुवणी चाईजै ।

(4) इण मांय घणकरां विवरण हुवणा चाईजे ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

118. किण सहकारी अधिगम रणनीति मांय नीचै लिख्यौड़ा अे व्यापक-चरण मैळा व्हैला ?

(अ) मास्टर री सरूआदी परस्तुती

(ब) समूह-कारज (टीम-भावना)

(स) परीक्षण या पछै सवाल-जबाब सत्र रौ आयोजन

(द) मूल्यांकन अर ग्रेडिंग

सही विकल्प छांटो –

(1) स्टूडेन्ट टीमस् अेचिवमेन्ट डिवीजन (एस.टी.ए.डी.)

(2) टीचर प्रजेन्टेशन स्टूडेन्ट डिवीजन (टी.पी.एस.आर.)

(3) ग्रुप – इन्वेस्टिगेशन (समूह अन्वेषण)

(4) राउण्ड रोबिन ब्रेनस्टामिंग (दिमाग रौ बिळौणौ)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

119. मौजूदा इण ग्यान आधारित समाज मांय सूचना अर सम्प्रेषण तकनीक संप्रत्यय रै अंतरगत सूचना अर सम्प्रेषण दोनू सबद आपरै कार्य खातर है :

(1) अेक – दूजे रा विरोधी

(2) अेक – दूजे रा पूरक

(3) अेक – दूजे सूं अळगा

(4) मनमर्जी रा मालिक

(5) अनुत्तरित प्रश्न

120. शिक्षा – प्रणाली मांय जड़ामूळ सूं बदलाव खातर निम्नलिखित मांय सूं कुणसो आई.सी.टी. रै लाभ अर प्रयोग रै रूप में कार्यशील नीं है ?

(1) इण वैश्वीकरण रै जुग में आई.सी.टी. रौ उपयोग आवण आळै बदळाव खातर आंपारै मददगार है ।

(2) ओ अनन्योन्य क्रियात्मक अधिगम नै अधिगम रा मारसाब प्रसारण प्रतिमान मांय बदळै ।

(3) आ विद्यार्थियों ने आलोचनात्मक अर रचनात्मक रूप मांय चिन्तन करण खातर मदद करै ।

(4) आ मारसाब री भूमिका मै ग्यान प्रकासक सूं बदळ'र अधिगम सुविधाप्रदाता बणावण में मदद करें ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

121. नीचै लिख्यौड़ी गतिविधियां मांय सूं लूंठी कुणसी अेक गतिविधि सिंक्रोनस अधिगम रौ लूंठौ उदाहरण (म्यांनौ) है ?

(1) ब्लॉग्स सूं । (2) विकीस सूं ।

(3) डिस्कसन बोर्ड सूं । (4) आभासी कक्षा सूं ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

122. शिक्षण अधिगम री प्रक्रिया मांय सूचना अर सम्प्रेषण तकनीक रै मेळप सूं पढ़ाई – लिखाई मांय निम्नलिखित महताऊ बदळाव आया – सिवाय इणरै :

(1) अधिगम प्रक्रिया नै फ़क्त मास्टर – केन्द्रित अनुदेसन तांई समेट नै राखणौ ।

(2) स्कूल-भवन नै अेक अधिगम स्थल मांय बदळणौ ।

(3) रैखिक अधिगम रै मारग नै गतिसील अर लचीलौ मारग मांय बदळणौ ।

(4) अधिगम नै असूतौ व्यक्तिगत अर अनुकूल बणावणौ ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

123. नीचे लिख्यौड़ा मांय सूं किणरौ उपयोग विद्यार्थियां रै लेखन-कार्य (कारज) अर प्रयोगसाला गतिविधियां रै आकलन खातर कियौ जावै ?

(1) ई – रूबरिक्स (2) ब्लॉग्स

(3) लर्निंग लाग्स (4) विकीस

(5) अनुत्तरित प्रश्न

124. मुनि जिनविजय राजस्थानी भाषा री उत्पत्ति कुणसी अपभ्रंश सूं मानै ?

(1) नागर अपभ्रंश
(2) शौरसेनी अपभ्रंश
(3) बाचड़ अपभ्रंश
(4) मरू-गुर्जरी अपभ्रंश
(5) अनुत्तरित प्रश्न

125. प्राचीन आथूणी राजस्थानी नैं शौरसेनी री पैली संतान कैवणियां विद्वान है –

(1) सर जॉर्ज ग्रियर्सन
(2) नरसिंह राव भोलानाथ दिवेटिया
(3) ठा. रामसिंह
(4) डॉ. एल.पी. टैसीटोरी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

126. जैन संत उद्योतनसूरि आपरौ ग्रंथ 'कुवलयमाला' किण ठौड़ रच्यौ ?

(1) जोधपुर (2) जालौर
(3) जैसळमेर (4) रणकपूर
(5) अनुत्तरित प्रश्न

127. सूची-I सूं सूची-II नैं सावळसर मिलाओ –

सूची-I (बोली-रूप)	*सूची-II (छेत्र)*
A. शेखावाटी	I. सीतामऊ
B. मालवी	II. अलवर
C. पहाड़ी	III. चूरू
D. मेवाती	IV. हिमाचल

सही उत्तर चुणो –

	A	B	C	D
(1)	III	I	IV	II
(2)	III	II	IV	I
(3)	II	I	III	IV
(4)	IV	III	I	II

(5) अनुत्तरित प्रश्न

128. सूची-I सूं सूची-II नैं सावळसर मिलाओ –

सूची-I (राजस्थानी री पड़ोसी बोली)	*सूची-II (दिसा / छेत्र)*
A. लहंदा, मुलतानी	I. दिखणादी दिस
B. मालवी, बुंदेली	II. आथूणी-उतरादी दिस
C. सिंधी	III. अगूणी-दिखणादी दिस
D. गुजराती	IV. आथूणी दिस

सही उत्तर चुणो –

	A	B	C	D
(1)	I	III	IV	II
(2)	II	III	IV	I
(3)	IV	I	II	III
(4)	III	II	I	IV

(5) अनुत्तरित प्रश्न

129. राजस्थानी संत लालदासी अर संत चरणदासी संतां रो घणकरो साहित्य किण बोली मांय मिळै ?

(1) मेवाती (2) मेवाड़ी
(3) निमाड़ी (4) खेराड़ी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

130. राजस्थानी भाषा री कुणसी बोली मांय 'च' अर 'छ' रो उच्चारण प्रायः 'स' अर 'स' रो उच्चारण 'ह' हुवै ?

(1) शेखावाटी (2) हाड़ौती
(3) ढूंढाड़ी (4) वागड़ी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

131. राजस्थानी भाषा मांय 'डिंगलकोश' री रचना कुण करी ?

(1) कुसललाभ (2) मुरारीदान
(3) उदयराम (4) हमीर रत्नू
(5) अनुत्तरित प्रश्न

132. राजस्थानी मांय 'स्वर' नैं केयौ जावै है

(1) बिलटी (2) कक्को

(3) सर्वनाम (4) कारक

(5) अनुत्तरित प्रश्न

133. डॉ. देव कोठारी मुजब भाषावां रै क्रमिक विकास री दीठ में पैली सूं छेहली रो सही क्रम है –

(1) लौकिक संस्कृत, पालि, अपभ्रंश, राजस्थानी

(2) वैदिक संस्कृत, प्राकृत, पालि, राजस्थानी

(3) प्राकृत, पालि, अपभ्रंश, राजस्थानी

(4) वैदिक संस्कृत, अपभ्रंश, प्राकृत, राजस्थानी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

134. संत कवयित्री गवरीबाई रौ जलम संवंत अर जलम ठौड़ रौ सही जोड़ो है –

(1) संवंत 1805 – बाँसवाड़ा

(2) संवंत 1815 – डूंगरपुर

(3) संवंत 1825 – प्रतापगढ़

(4) संवंत 1835 – उदयपुर

(5) अनुत्तरित प्रश्न

135. हाड़ौती बोली खेतर रै अन्तरगत इणरै उत्तर-पूर्व मांय कुणसी उपबोली बोली जावै ?

(1) खेराड़ी (2) बुंदेलखंडी

(3) सौपुरी (4) तोरावाटी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

136. जॉर्ज ग्रियर्सन 'खेराड़ी, ढाटकी अर गोड़वाड़ी' बोलियां नैं राजस्थानी रै कुणसै वर्ग में राखै ?

(1) उतरादी – अगूणी राजस्थानी

(2) आथूणी राजस्थानी

(3) दिखणादी – अगूणी राजस्थानी

(4) मध्यपूर्वी राजस्थानी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

137. नीचै लिख्योड़ा मांय सूं कुणसो विद्वान राजस्थानी री बोलियां रै अन्तरगत 'निमाड़ी' नैं दक्षिण राजस्थानी कैय'र अेक बोली मानै ?

(1) डॉ. एल.पी. टैसीटोरी

(2) डॉ. नामवरसिंह

(3) डॉ. भोलानाथ तिवारी

(4) डॉ. सुनीति कुमार चटर्जी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

138. "चौली केरे पान ज्यूं, दिन-दिन पीळी थाय" ओळी में आयोड़ो 'केरे' सबद कुणसै कारक री विभक्ति है ?

(1) कर्ता (2) अधिकरण

(3) संबंध (4) अपादान

(5) अनुत्तरित प्रश्न

139. भाषा-वैज्ञानिक तत्त्व री दीठ सूं 'मानकीकरण' सबद रो अरथ कांई है ?

(1) अेतिहासिकता (2) अेकरूपता

(3) स्वायत्तता (4) जीवन्तता

(5) अनुत्तरित प्रश्न

140. सूची-I (देवनागरी बाबत न्यारा–न्यारा विद्वानां) अर सूची-II (वांरा विचारा) नैं सावळसर मिलाओ –

सूची-I (विद्वान)	*सूची-II (विचार)*
A. महात्मा गांधी	I. उर्दू लिपि व्यवहार नैं छोड'र बाकी समूचै भारत री सगळी लिपियां देवनागरी री स्वगोत्र या कौटुम्बिक लिपियां सिद्ध हुवै ।
B. डॉ. सुनीति कुमार चटर्जी	II. हिंदुस्तान में सर्वमान्य होवण लायक कोई लिपि है तो वा देवनागरी है ।
C. डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल	III. देवनागरी दुनियां री सर्वाधिक वैज्ञानिक लिपि है ।
D. महापंडित सांकृत्यायन	IV. 7वीं सदी में नागरी रो प्राचीन रूप ठीकसर प्रगट हुयो हो अर 8वीं सदी सूं आगै देवनागरी लिपि रो पूर्ण विकास हुयो ।

सही उत्तर चुणो –

	A	B	C	D
(1)	II	I	IV	III
(2)	III	I	IV	II
(3)	II	I	III	IV
(4)	IV	III	I	II

(5) अनुत्तरित प्रश्न

141. नीचै लिख्योड़ा कथन मांय सूं 'देवनागरी' लिपि सारू सही नीं है –

(1) ध्वनि अर संकेत मांय निश्चितता है ।

(2) सगळी ध्वनियां नै संकेत करण री खिमता है ।

(3) लिपि सुपाठ्य अर संदेह रहित है ।

(4) आ लिपि जीमणै सूं डावी कांनी लिखी जावै ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

142. सूची-I नैं सूची-II सूं सावळसर मिलाओ

सूची-I (भाववाची संज्ञा सबद)	*सूची-II (निरमाण रो मारग)*
A. मिंतराई	I. विशेषण सूं भाववाची
B. कूड़	II. क्रिया सूं भाववाची
C. चाल	III. जातिवाची सूं भाववाची
D. बिरथापणो	IV. अव्यय सूं भाववाची

सही उत्तर चुणो –

	A	B	C	D
(1)	III	I	IV	II
(2)	III	I	II	IV
(3)	I	III	II	IV
(4)	II	IV	I	III

(5) अनुत्तरित प्रश्न

143. जका सर्वनाम सबदां सूं किणी आदमी कै पदारथ रो निस्चै बोध नीं व्है, वां नै कहयौ जावै –

(1) निस्चयवार्च सर्वनाम

(2) अनिस्चयवाची सर्वनाम

(3) उत्तम पुरसवाची सर्वनाम

(4) मध्यम पुरसवाची सर्वनाम

(5) अनुत्तरित प्रश्न

144. राजस्थानी व्याकरण मांय पुरसवाची सर्वनाम रा किता भेद मान्या जावै ?

(1) एक (2) दो

(3) तीन (4) चार

(5) अनुत्तरित प्रश्न

145. डिंगल अर पिंगल कांई है ?

(1) राजस्थानी बोलियां

(2) राजस्थानी अलंकार

(3) राजस्थानी भासा री काव्य सैलियाँ

(4) राजस्थानी आडियां

(5) अनुत्तरित प्रश्न

146. राजस्थानी व्याकरण मांय 'ळ' विसिष्ठ ध्वनि मानी जावै । वा किण वरण-ध्वनि मांय आवै ?

(1) ताळव्य (2) मूर्धन्य

(3) कंठ्य (4) ओष्ठ्य

(5) अनुत्तरित प्रश्न

147. प्रोफेसर कल्याणसिंह शेखावत आपरी पोथी 'राजस्थानी भाषा – साहित्य – संस्कृति' मांय किणी भाषा रै आवश्यक तत्त्वां री सख्यां मानी है –

(1) पांच (2) छः

(3) सात (4) आठ

(5) अनुत्तरित प्रश्न

148. भाषा अर लिपि बाबत सही कथन है –

A. संसार री कोई सी भी लिपि पूर्णतया विकसित नीं कैयी जा सकै ।

B. भाषा रै अस्तित्व सारू लिपि रो होवणो लाजमी है ।

C. भावां री अभिव्यक्ति लिपि रै बिना भी संभव है ।

D. लिपि किणी भाषा विशेष सूं बंधेड़ी रैवै ।

E. भाषा ध्वनियां री व्यवस्था है, जदकै लिपि वरणां रो संयोजन ।

सही उत्तर चुणो –

(1) A, B, D (2) A, C, E

(3) A, C, D, E (4) C, D, E

(5) अनुत्तरित प्रश्न

149. नीचै लिख्योड़ा कथन मांय सूं 'मुड़िया लिपि' री विसेसता नीं है –

(1) इणरा आखरां मांय घसीट आ जावै

(2) डावा सूं जीमणां कांनी लिखी जावै

(3) सबदां नैं अलग-अलग लिख्यौ जावै

(4) पाठक नैं सबद तोड़'र वाक्य पढ़णौ पड़ै

(5) अनुत्तरित प्रश्न

150. नीची दियोड़ां मांय सूं असत्य विकल्प छांटो –

(1) य, र, ल, व अंतस्थ व्यंजन मानीजै ।

(2) 'क' सूं 'प' ताणी पांचूं वरगां रा पैला अर दूसरा व्यंजन 'घोष-ध्वनियां' मानीजै ।

(3) श, ष, स तीनूं 'अघोष' ध्वनियां है ।

(4) बिलटी रा सगळा आखर अल्पप्राण अर घोष हुवै ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK